

नांदगांव टाइम्स

शनिवार, 28 जून 2025, राजनांदगांव

आरएनआई 30910/76

वर्ष 49, अंक 248, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुपये



॥ जय श्री जलाराम ॥
श्री जलाराम प्रॉपर्टी डीलर
उचित दूर पर मकान, प्लेट, ड्राइववे,
दुकान, ऑफिस, गोदाम, जमीन, प्लॉट
की खरीदी-बिक्री हेतु संपर्क करें।
ऑफिस: बामनी बरत के बाग में, राजादेव नगर, राजनांदगांव।
मो: 98274-61508, 83192-88559

डॉ. सुरेन्द्र दुबे का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन

अंतिम संस्कार शामिल हुए देश प्रख्यात साहित्यकार, अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर छत्तीसगढ़ को दिलाई थी अनूठी पहचान

रायपुर। छत्तीसगढ़ी हास्य कविताओं से लोगों को गुरगुराने वाला हास्य कवि डॉ. सुरेन्द्र दुबे का पार्थिव शरीर आज पंचतत्व में विलीन हो गया। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़-देश तथा स्थानीय साहित्यकार, पत्रकार, विधायक, मंत्री एवं अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।



छत्तीसगढ़ के हास्य कविताओं के जनक एवं कवि सम्मेलनों की जान कहलाने वाले डा. सुरेन्द्र दुबे का कल स्थानीय मेकाहारा अस्पताल निधन हो गया था। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधायक साधुशंकर, रमन सिंह सहित अन्य लोगों ने सुबह घर जाकर श्रद्धासूचन अर्पित किया। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि छत्तीसगढ़ की हास्य कविताओं को उजागर दिया था। वे आने वाले पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक रहे होंगे। आज प्रसन्न है ही उनके निवास में श्रद्धासूचन देने वालों का ताता लगा रहा।

परिवारजनों से मिली जानकारी के अनुसार उनके बड़े पुत्र अभिषेक ने मुखाग्नि दी इस अवसर पर बड़ी संख्या में आम नागरिक साहित्यकार तथा पत्रकार उपस्थित थे। डॉ. सुरेन्द्र दुबे पेशे से विद्वत्साक्ष एवं छत्तीसगढ़ साहित्य को उनकी प्रतिभा एवं योग्यता को देखते हुए छत्तीसगढ़ साहित्य एकेडमी का अध्यक्ष बनाया गया था। वे देश-विदेश सहित अनेक स्थानों पर काव्य पाठ किया करते थे। उनके जाने से छत्तीसगढ़ के साहित्य जगत का चमकता सितारा समाप्त हो गया है। अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के प्रदाधिकारियों ने श्रद्धासूचन अर्पित किया है। कांग्रेस के प्रदाधिकारियों ने कहा कि डॉ. सुरेन्द्र दुबे का निधन अपूर्णापणे क्षति है। इस दुःख को अंशु में परिवर्तन को अंशम सहस्र दें। उनके कोरोनाकाल में रचित कविता को भी प्रसिद्ध हुई थी, सरस्वती पुत्र को अंतिम नमन।

मुख्यमंत्री साय भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में हुए शामिल

छेरापहरा की रथ अदायगी कर मांगा प्रदेशवासियों के लिए आशीर्वाद



रायपुर। राज्यपाल श्री रमेश ठेका और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज गायत्री नगर रायपुर स्थित जगन्नाथ मंदिर में आयोजित महाप्रभु श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा महोत्सव में शामिल हुए। राज्यपाल श्री ठेका एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने भगवान जगन्नाथ की पूजा अर्चना कर चोरा-पहरा की रथ निभाई। राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी ठेका काकोटी ने भी जगन्नाथ जी की विधि-विधान से पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में आयोजित रथ यात्रा में शामिल हुए। रायपुर के गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में विशेष विधि-विधान के साथ महाप्रभु जगन्नाथ जी की

रथ यात्रा निकाली गई। रथ यात्रा प्रारंभ से पूर्व भगवान की प्रतिमाओं को मंदिर से रथ तक लाया गया और मार्ग को सोने की झाड़ू से स्वच्छ किया गया। इस परंपरा को उलगावहा कहा जाता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सभी प्रदेशवासियों को रथ यात्रा की भाभा देते हुए कहा कि यह वर्ष ओडिशा के लिए जितना बड़ा उत्सव है, उतना ही बड़ा उत्सव छत्तीसगढ़ के लिए भी है। श्री साय ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शामिल होकर रथ यात्रा की भाभा देते हैं, धन की बलियों में दूध भरा है और किसानों के घरों में समृद्धि आती है। मैं भगवान जगन्नाथ से प्रार्थना करता हूँ कि इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ में भरपूर फसल हो।

भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया

राजनंदगांव (नांदगांव टाइम्स)। रियासत कालीन प्राचीन श्री जगन्नाथ मंदिर जमात पारा छुईखदान में आषाढ़ शुक्ल द्वाद 27 जून 2025 दिन शुक्रवार को भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र धैया, एवं बाल भुवनाई मंदिर एक साथ सहितान पर वैद्यक तोरान-होताके से सबेरे रथ पर सवार होकर रथयात्रा पूरे शहर में प्रगम कराया गया। जिस गीतों की प्रस्तुति भले विचारों हो उड़ीसा जगन्नाथ पुरी में लाकुर भले विचारों हो आदि सैकड़ों गीतों की प्रस्तुति सहित भगवान बड़ी हनुमान जी का निशान पलाका लेकर भक्तिभाव से रथ के रस्ते को भक्तजन खींचते हुए जब श्री जगन्नाथ स्वामी के जयघोष करते हुए रथयात्रा निकली गई। राजनंदगांव के सदस्य लतामनी लाल बे के वैष्णव ने पूजा करने पश्चात जानकारी दी



कि मंदिर परिसर में भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की विधिवत पूजा आराती कर रथ पर विद्वान गया। तत्पश्चात बेनीया पारा, राजलाल चौक, बालार लाल, ब्राम्भन पारा, मोतीबाग पारा, जगतेश्वर चौक मेरुमार्कट, कंठा पारा होते हुए हजारी भक्तों की भीड़ सहित मंदिर परिसर पहुंची।

भक्त महिलाएं पुरुष, बच्चे अपने घर के द्वार पर भगवान को पाकर खुशी से जयघोष लगाते हुए पुष्पांजलि अर्पित आराती कर श्रीरत्न पेट कर आनंदित होते हुए अपने घर के सामने रथयात्रा की रस्ती खींच कर शामिल होते हैं। रथयात्रा जय श्री जगन्नाथ सेवा समिति छुईखदान द्वारा प्रतिवर्षीय रूप से आयोजित किया गया। संवत् लब्ध ने बताया कि स्वतंत्रता के पूर्व से स्थानीय रियासत कालीन भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर में परम्परा अनुसार शहर, ग्रामीण क्षेत्रों के रथ शामिल रहते हैं। रथयात्रा दूसरे प्रसाद नानासु एक दुर्घरे को खिलाकर महाप्रसाद, गजामुद्र आदि मिष्ठान बजाकर पीछे दो पीछी निभाई गई है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्त जन उपस्थित रहे।

युगांतर का 29 वां स्थापना दिवस आज

राजनंदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शिक्षा, खेल, सांस्कृतिक क्षेत्र में अग्रणी संस्था युगांतर अखिल क्लब का 29 वां स्थापना दिवस समारोह कल 28 जून को आज 10 बजे आयोजित होगा। इस समारोह में विद्यालय के मुख्य प्रिंसिपल अश्विनी बाणा, स्थानीय सेवा समिति के अध्यक्ष सुनिता गोपाल को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर विद्यालय में प्रसन्न एवं करने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं और कर्मचारियों का सम्मान भी होगा। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रभावकारी आयोजन रखा गया है। इसके अलावा ओपेड सॉल की मेजबानी अमरी मधुसूदन से सारे वातावरण को आकर्षित करने और शिक्षक-शिक्षिकाओं की सामूहिक गीत को प्रभावी प्रस्तुति होगी।

मेयर ने लगाए तहसील कार्यालय में नीम के पौधे एस.डी.एम., तहसीलदार अधिकारियों ने किया वृक्षारोपण



राजनंदगांव (नांदगांव टाइम्स)। संस्कारधानी राजनंदगांव के तहसील कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। उक्त जानकारी देते हुए अधिकार पंचक द्वारा बताया कि नगर के प्रथम नगरिक महाप्रभु मधुसूदन यादव एवं एस.डी.एम. खेमलाल चाम तहसीलदार वृक्षारोपण में अपना समय देने हेतु अधिकार पंचक गुप्त, नागेश्वरी बरिष्ठ अधिकारणा नोटरी, जगदीप गरबा, मोहन यादव, एस.एल.साहू, वृन्मोहन जोशी, शिव कुमार साहू, राजनंदगांव चंदेल, सुनील मिश्रा, फिरीट धीवर, हेमलता

रायच, नीतु टंडन, समग्र सेवा इम्पन देवाना देवाना, लेखक श्रीरेश आकर, नंदकुमार देवाना, राशेरा सिन्हा, महेश सिन्हा, गोपाल माणिकपुरी व अन्य उपस्थित नागरिकों द्वारा तहसील कार्यालय परिसर वृक्षारोपण कर नीम के वृक्ष लगाए। महाप्रभु श्री यादव ने नीम के वृक्ष की महत्वाता बताते हुए कहा कि नीम के वृक्ष से नीम के तेल निकाला जा सकता है, जो कि बहुत ही उपयोगी है। वृक्षारोपण के इस पुनीत पानव कार्य पर उपस्थित अधिकार वृक्षारोपण में अपना समय देने हेतु अधिकार पंचक गुप्त, नागेश्वरी बरिष्ठ अधिकारणा नोटरी, जगदीप गरबा, मोहन यादव, एस.एल.साहू, वृन्मोहन जोशी, शिव कुमार साहू, राजनंदगांव चंदेल, सुनील मिश्रा, फिरीट धीवर, हेमलता

लायंस क्लब राजनंदगांव सिटी का शपथ ग्रहण संपन्न गरिमामय समारोह में नए पदाधिकारी ने ली शपथ



राजनंदगांव (नांदगांव टाइम्स)। जिले के प्रमुख सेवा भाव सैनिकों में सुप्रसन्न लायंस क्लब राजनंदगांव सिटी का गरिमामय समारोह होतान अमीरा रेवाडी में संपन्न हुआ। 26 जून को आयोजित समारोह में अध्यक्ष अमित खंडेलवाल, सचिव मयंक शर्मा, कोषाध्यक्ष सुरेश शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यों ने परद एवं गोपनीयता की शपथ ली। कार्यक्रम की शुरुवात दीप प्रज्वलित कर मेनबन ज्योति सरस्वती माता चित्र पर मान्यपत्र किया गया। निवृत्त परबनी द्वारा सरस्वती चंडना एवं छत्तीसगढ़ी राजकीय गीत अरुण पुरी के धार कार्यक्रम की शुरुआत की गई। उक्त पश्चात स्वयं चंडन श्रीमती कंचन चौधे द्वारा पढ़ा गया। कार्यक्रम शुरू होने से पहले नए सदस्यों को जानकारी विभिन्न विभिन्न प्रथम भाग को अंतर्गृहीत परमन लायन रिपु दमन सिंह पुरी की द्वारा किया गया टीन



अधिकारी लायन चवन मलिक द्वितीय वीरस द्विद्विद्वत गवर्नर निवाचित अशोर्वाह पंचवी लायन डॉक्टर पुखराज बाणा एवं द्विद्विद्वत गवर्नर एमजेएए लायन राजकुमार शर्मा रोजन चैयरमन न लायन शांदा किवारी जोन चैयरमन 2024-25 लायन राजेश जीन रोजन चैयर पद लायन ललित भंसाती जोन अध्यक्ष के रूप में शामिल हुए। इस दौरान लायंस क्लब राजनंदगांव सिटी नव निवृत्त अध्यक्ष अमित खंडेलवाल द्वारा शपथ ग्रहण का स्वीकृति प्रोत्पन्न दिया गया। जिसमें मुख्य रूप से वार्षिक कैलेंडर तैयार किया गया जिसमें प्रत्येक माह जंच विविध कैमरा उन्मूलन नैव विविध वृक्षारोपण धुप्रान निधेन भी शामिल आदि विषयों पर कार्य करने का प्रस्ताव रखा गया। पंचवी लायन डॉ पुखराज बाणा जी को अंतर्गृहीत परमन एक्सचेंजर ऑफ़ पुरीवल अवार्ड मिलने पर लायन अध्यक्ष

21वीं राज्य स्तरीय सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता आज से



राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता रायपुर में जो की 28 से 29 जून को होगी में भाग लेने इस अवसर पर जिला एथलेटिक्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष विवेक शुकला जिला ओलीपिक संघ के अध्यक्ष अतुल चौधरी जी जिला एथलेटिक्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव राजकिशोर प्रसाद सिंह श्री देवेन्द्र सिंह साहू संघ के कोषाध्यक्ष श्री राजेंद्र यादव प्रकाश साहिवा कीर्ति शर्मा, विवेक प्रसाद सिंह, एवं ग्राम भुंदर के सरपंच साहू जी राजनंदगांव जनरल के अध्यक्ष प्रतिनिधि पन्ना चंचक की उपस्थिति राजनंदगांव जिले के हरकसे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में खेलने वाले खिलाड़ियों की नाम इस प्रकार हैं कोशल कुमार 10000 मीटर 5000 मीटर बरिष्ठ, क्षरापाल गेंक 1500 मीटर 5000 मीटर अचानकपरा भागपारा, लैलेय साहू 800 मीटर 1500 मीटर, खर्व साहू 800 मीटर 400 मीटर 400 मीटर, नैलेष 3000 मीटर 5000 मीटर 5000 मीटर 20 किलोमीटर वॉकिंग सोमनी, कुमारी साक्षी यादव 3000 मीटर 5000 मीटर राजनंदगांव, कुमारी निशा साहू 10000 मीटर 5000 मीटर, परी जीतु साहू 800 मीटर 400 मीटर 400 मीटर और जगेश्वर 400 मीटर 200 मीटर 400 मीटर।

CMYK

CMYK

ज्ञान मंथन

- 1) एशिया का सबसे बड़ा ग्रास लैण्ड कौन-सा है?
- 2) बाल गंगाधर तिलक को लोकमान्य की उपाधि कब मिली?
- 3) 2025 में श्रीलंका महिला त्रिकोणीय श्रृंखला की मेजबानी किस शहर में की गई?
- 4) अप्रैल 2025 में रक्षा साहित्य महोत्सव कलम एंड कवच 2.0 का आयोजन कहाँ हुआ?
- 5) हाल ही में तमिलनाडु के किस पता की जी आई टैग दिया गया?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)



उत्तर माला

- (1) बंी ग्रास लैण्ड (2) बेमरल आन्देन के दौरान (3) कोलंबो (4) नई दिल्ली (5) कुंभकोणम

गुप्त नवरात्रि के पदार्पण में विशेष अनुष्ठान

किर्लानपुर (नांदगांव टाइम्स)। भारत की सुख, समृद्धि, शांति, विकास, विधास, भारत हिन्दू राष्ट्र घोषित हो, भारत को कमजोर करने वाले लोगों को शक्ति क्षीण होने, भारत विश्व गुरु बने इसके लिए पुजारी मां शारदा मंदिर नेवारा पहाड़ी (किर्लानपुर) पीठा नरेंद्र गुप्तगुप्त ने लक्ष्मी समय से बकाया कर जमा नहीं करने वाले दुकानदारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए शुक्रवार सुबह 9 बजे उनकी दुकानों को सील कर दिया। यह कार्रवाई मुख्य नगर पंचायत अधिकारी निरम जेमा के नेतृत्व में की गई। नगर पंचायत अधिकारी निरम जेमा की टीम ने पांच बरों से लगातार संबंधित बकायादारों को नोटिस जारी कर बकाया कर चुकने की चेतावनी दी थी, लेकिन निषांरित समय-सीमा में कर जमा नहीं करने पर यह सख्त कदम उठाया गया। कार्रवाई के दौरान सील की गई दुकानों की सूची व बकाया राशि निम्नानुसार है: क्रमांकदुकान नं.दुकानदार का नाम पुष्पकोसम गुप्त / गया प्रसाद गुप्ता,86.616, हम्पद खान / गुलशन खान 49,089, शैख जसमी / शैख सलीम61,797, नूरी खान / हुसैन खान 138797, राजेश राजपुत / परमानंद राजपुत,318,789शैख नंदम / रोह हक्केज 496426, साहिल मारोकर / पवन जेमा की टीम ने पांच बरों से लगातार संबंधित बकायादारों को नोटिस जारी कर बकाया कर चुकने की चेतावनी दी थी, लेकिन निषांरित समय-सीमा में कर जमा नहीं करने पर यह सख्त कदम उठाया गया। कार्रवाई के दौरान सील की गई दुकानों की सूची व बकाया राशि निम्नानुसार है: क्रमांकदुकान नं.दुकानदार

नगर पंचायत डोंगरगांव द्वारा बकायादारों की दुकानों को किया गया सील

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)।

, 27 जून शुक्रवार कोड्ड नगर पंचायत डोंगरगांव ने लक्ष्मी समय से बकाया कर जमा नहीं करने वाले दुकानदारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए शुक्रवार सुबह 9 बजे उनकी दुकानों को सील कर दिया। यह कार्रवाई मुख्य नगर पंचायत अधिकारी निरम जेमा के नेतृत्व में की गई। नगर पंचायत अधिकारी निरम जेमा की टीम ने पांच बरों से लगातार संबंधित बकायादारों को नोटिस जारी कर बकाया कर चुकने की चेतावनी दी थी, लेकिन निषांरित समय-सीमा में कर जमा नहीं करने पर यह सख्त कदम उठाया गया। कार्रवाई के दौरान सील की गई दुकानों की सूची व बकाया राशि निम्नानुसार है: क्रमांकदुकान नं.दुकानदार



मातेकर 63000 पुर्तना बस स्टैंड कुल बकाया राशि: 725,147,714.00 नगर पंचायत अधिकारी ने कल कि दुकान प्रीमियम एवं नीलामा एवम् दुकान किराया की राशि समय पर जमा करें, अन्यथा भविष्य में और भी दुकानों को सील किया जाएगा। स्थानीय पुलिस बल को उपस्थित में यह कार्रवाई शांतिपूर्वक की गई।

पीएम श्री स्वामी आत्मानंद स्कूल में शाला प्रवेशोत्सव में पहुंचे जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक अध्यक्ष सचिन सिंह बघेल



छुरिया (नांदगांव टाइम्स)। पीएम श्री स्वामी आत्मानंद स्कूल में नवीन सत्र में शाला प्रवेशोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सचिन सिंह बघेल, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती किरण वैष्णव, जिला पंचायत अध्यक्ष, कार्यक्रम विधेय अतिथि जगपद पंचायत अध्यक्ष संजय सिन्हा, नगर पंचायत अध्यक्ष अजय पटेल, जिला महामंत्री रविन्द्र वैष्णव, जिला भाजपा उपाध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद डड्डेन, जिला पंचायत सदस्य अमली बिस्वा माई चंडी मंडल अध्यक्ष काला साहू, सूरेंद्र सिंह भाटिया, शेखर भादवाड़, मनभावन सिंह उदके साहू राजेश धूवे नैन सिंह पटेल, कोशल कुंभकार, इस कार्यक्रम में शामिल हुए कार्यक्रम शुभारंभ मां सरस्वती की तिल चित्र में माल्यार्पण दीप प्रज्वालीत कर किया गया, मुख्य अतिथि

शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा ने अतिथियों समक्ष रखा मांग

सचिन सिंह संबोधित करते हुए कहा, शिक्षकों के इंग्र शिक्षा दिया जा सकता है, संस्कार बच्चों में गला पिटा दे सकते हैं, देश में 2014 के बाद ख्यापक परिवर्तन आता है, 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बनेगा। रोजगार के आग बहेल अवरस है सिर्फ उमर दिना में कदम बढ़ाने को जरूरत है, मोबाइल का इस्तेमाल सिर्फ पढ़ाई के लिए करें, मोबाइल अधिक उपयोग करने से अपनी प्रतिभा नहीं निहार सकते इसलिए पढ़ाई पूरी हमदर्दी विव्हाद के साथ करें, छुरिया पीएमश्री स्वामी आत्मानंद बैंगलर विद्या है एवं अनुभवी हैं एक हजार बच्चे जिस स्कूल में अध्ययनरत हो तो स्कूल पहुंच पावें बच्चा बेहतर होने के कारण बनसल के बच्चे पढ़ते पढ़ते बड़े आते हैं जो भी स्कूल की सामंय्य उमे दू करने का प्रयास किया जावेगा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव ने कहा, बच्चों के अध्ययन गुरु माता पिता, इस वैसे आवस्य करते वैसे बेहसे सीखते हैं घर में कोई बड़े बुजुर्ग का सेवा कर रहा है बच्चे उनकी सेवा करते हैं, पर वातावरण शुद्ध पवित्र हो तो आपके बच्चे संस्कारवान गुणवान बनें से कोई रोक नहीं सकता बच्चे स्कूल शिक्षक द्वारा उनके भविष्य को गढ़ने काम करते हैं, लेकिन माता पिता अपने बच्चों के

विश्व नशामुक्ति दिवस पर नशामुक्ति केंद्र राजनांदगांव में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन



राजनंदागांव। विश्व नशामुक्ति दिवस के अवसर पर गुस्वरार को एकीकृत पुनर्वास केंद्र (नशामुक्ति केंद्र), राजनांदगांव में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना से हुई, जिसमें केंद्र में उपचाररत पुराने मरीजों ने भी भाग लिया। इसके बाद मुख्य अतिथियों का कार्यक्रमी तरीके से पुष्पागुच्छ एवं तिलक लगाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. योगेश कर्तोडे उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में संस्था अध्यक्ष श्री विष्णुलाल खोस्रागढ़े और वरिष्ठ व्यापकसदस्य श्री योगेश मुंजारे को गरामायी उपस्थिति रही। इस दौरान केंद्र के समन्वयक श्री अरविंद मेरावो ने पुनर्वास केंद्र की

गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि संस्था का प्रयास केवल उपचार नहीं है, बल्कि पूर्ण जीवन पुनर्निर्माण है। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए और बलाव कि कैसे उन्होंने नशी को निरसन से बाहर निकलकर जीवन की रई हल पकड़ी। वक्तव्यों ने रक्षा मुक्ति के लिए विकिनास प्रारम्भ, बैडजिन उपायों और आत्म-संकल्प को जरूरी बताया।अपने संबोधन में डॉ. कर्तोडे ने कहा, जल्दा चाहे किसी भी प्रकार का डू गराव, तबाबूत, नंगा या अन्य मारक पदार्थ डू गराव, रान और बलाव को खोखला कर देता है। इससे न केवल व्यक्ति, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र प्रभावित होता है।

निखन

राजि देवी लोहिया

राजनंदागांव (नांदगांव टाइम्स)। नगर की विभिन्न सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं की सहकार्यगत परीर समिति, उपाध्यक्ष, अध्यक्ष सभा से जुड़े लोग व्यवसाय भाग्य के पूर्व कोषाध्यक्ष विष्णु प्रसाद लोहिया को धर्मपत्नी श्रीमती मणि देवी लोहिया का शुक्रवार 27 जुलाई को सुबह 05:00 बजे 67 वर्ष की आयु में देहस्मरण हो गया। वो काले कपस से आवस्य थी। कल ही उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनके जन्म पुत्र योगेश लोहिया ने मुज्जनि दी। उनके तीन पुत्र योगेश, निरेश एवं मुकेश सहित अनेक पोते, पोतियां सहित परंपरा परिवार है। श्रीमति मणि देवी लोहिया अखिल भारतीय अग्रवाल सभ्दून की राष्ट्रीय कार्यकारीणी के सदस्य संजोष लोहिया एवं छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल सभ्दून के प्रयास प्रभारी व वरिष्ठ प्रकाश, बहादुर चैतल स्मारक पत्र के सत्रो चौकलसभ्य लोहिया को भाभी थी। मुक्तिपथ में अवलोकन शोध सभा को अग्रवाल सभा की ओर से पूर्व अध्यक्ष संजोष अग्रवाल, उपाध्यक्ष की ओर से डॉ पुष्पगुप्त बामना, श्याम परिवार की ओर से राजेश शर्मा, पोषा व्यापारी मंग की ओर से विजय हरिहरेश, आह चिंटोणी गप्य से परमानंद बजाव, निमा दीनचंद सलवनी, गौडिया के रीजन अग्रवाल संबोधित किए हुए परमपिता परमेश्वर से दिव्य आत्मा को फिर शांति प्रदान करें एवं इस दुखद घड़ी में लोहिया परिवार को संमेल प्रदान करने की कामना करते हुए ब्रह्म भुमप अर्पित किया गया। शोध सभा का संचालन कुंभकार, इस कार्यक्रम में शामिल हुए कार्यक्रम शुभारंभ मां सरस्वती की तिल चित्र में माल्यार्पण दीप प्रज्वालीत कर किया गया, मुख्य अतिथि एवं राजनीतिक सभ्दून के व्यक्ति उपस्थित थे।

धर्म समाचार....

घर में छिपकली दिखने और शरीर के अंगों पर गिरने के अलग-अलग संकेत होते हैं। गर्दन के ऊपर छिपकली गिरने से व्यक्ति के मान-बुमान में बुद्धि होने का संकेत मिलता है। यदि नाथि से घुटने के बीच छिपकली गिरें, तो इसे घर में धन के आयामन का संकेत माना जाता है। जानिए किस अंग में छिपकली गिरने का क्या पत्त होता है।

किसी प्राकृतिक घटना को देखकर शकून और अशरकून के चार में पुराने जमाने के लोग बता देते थे। दरअसल, यह शकून शास्त्र का ज्ञान है, जो पहले लोगों को स्वाभाविक रूप से आता था। वह अपने आस-पास होने वाली घटनाओं को किस प्रकार देखते हैं। उनके आधार पर किए गए भविष्य कथन सच भी साबित होते थे। शकून



शास्त्र में लगभग हर घर में देखी जाने वाली छिपकली को लेकर भी कई सारे भविष्य कथन किए गए हैं। यह कई मामलों में सही पाए जाते हैं। आमतौर पर घर में दिखने वाली छिपकली कभी-कभी लोगों के शरीर पर भी गिर जाती है। कुछ लोग इसे शुभ संकेत के रूप में देखते हैं। वहीं, कुछ लोग इसे किसी अशुभ घटना के होने या अनहोनी का संकेत मानते हैं। हालांकि, शकून शास्त्र में इसके बारे में विस्तार से बताया गया है कि छिपकली का शरीर के किस अंग पर गिरने से क्या असर होता है इसके क्या नतीजा हो

सकते हैं। शकून शास्त्र के अनुसार, शरीर के दाएं हिस्से पर छिपकली का गिरना शुभ माना जाता है। यदि छिपकली गिरने के बाद में शरीर में नीचे से ऊपर की तरफ चढ़ेगी, तो इसे अच्छा शकून माना जाता है। माना जाता है कि उसे जन्म धन लाभ हो सकता है, कारिपर में प्रोत्सा हो सकती है या कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। दाएं कंधे पर छिपकली गिरना को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के दूर होने और स्वास्थ्य लाभ के संकेत के रूप में देखा जाता है। यदि छिपकली घर से बाहर निकलते हुए दिख जाए, तो संकेत देता है कि जन्म ही कोई अच्छी खबर पाने में आ सकती है। वहीं, शरीर के बाएं हिस्से पर छिपकली का गिरना किसी अनहोनी की घटना का संकेत देता है। छिपकली यदि शरीर में गिरने के बाद नीचे की तरफ भागेगी तो इसे किसी अनहोनी का संकेत माना जा सकता है। बाएं हाथ पर छिपकली गिरने से घन हाथ या बुरी खबर मिलने का संकेत मिलता है।

कब से शुरू हो रहा है चातुर्मास, इस दौरान कौन से पड़ेंगे व्रत

चातुर्मास में मांगलिक कार्य जैसे विवाह, मुंडन और गृह प्रवेश आदि नहीं किया जाता है। इन चार महीनों के दौरान व्रत, तप, साधना और भक्ति के लिए समय निकालना चाहिए। जानिए चातुर्मास के दौरान कौन-कौन से बड़े व्रत और त्योहार पड़ेंगे। क्या कार्रवाई और क्या नहीं करना चाहिए। आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवशरणी एकादशी कहा जाता है। इस साल 6 जुलाई को रविवार के दिन यह तिथि पड़ेगी। इसी दिन से सृष्टि के पालनहार भगवान विष्णु चार महीने को योग निद्रा के लिए श्रीसागर में चले जाते हैं। इस दिन से चातुर्मास का आरंभ होता है, जो व्रत, तप, साधना और भक्ति के लिए श्रेष्ठ समय माना गया है। भगवान विष्णु के योग निद्रा में जाने के बाद सृष्टि को कमान भगवान शिव के हाथों में आ जाती है। भगवान भोले नाथ का प्रिय महीना सावन भी इसी दौरान आता है। इस बार चातुर्मास 6 जुलाई से शुरू होकर 2 नवंबर 2025 तक चलेगी। देवशरणी एकादशी से देवदूती एकादशी तक सृष्टि के पालनहार योग निद्रा में होते हैं। उनकी अनुपस्थिति में कोई सपना नहीं किया जाता है। इसी वजह से मांगलिक कार्य जैसे शादी, गृह प्रवेश, मुंडन इस समय में टाल दिए जाते हैं। भगवान के आगम करने के समय में आध्यात्मिक साधन, संयम और आत्मिक ऊर्जा के कार्य किए जाते हैं। इस समय में भगवान सुनना, साधु-संतों के प्रवचन सुनना और उनके सान्निध्य में रहने का अवसर तलाशना चाहिए। चातुर्मास के दौरान कई बड़े व्रत और त्योहार आते हैं। इस समय में खाने-पाने पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। मांस, मदिरा, प्याज, लहसुन, बीन, मूली, दूध, दही, गुड, तेल और मसालेदार भोजन का सेवन नहीं करना चाहिए। इसका आध्यात्मिक और धार्मिक कारण के साथ ही मौसमी कारण भी है। दरअसल, बारिश का मौसम शुरू होने के साथ दूध-दही और मसालेदार भोजन को शरीर पचा पाने में असर हो जाता है। साथ ही हरी सब्जियों में कोई लगने लगते हैं। इसलिए इन चीजों को न खाने को सलाह दी जाती है।





शशिवायन सन्ध्या दीर्घान में प्रातः 8 बजे से दोपहर 1 बजे प्रातः 8 बजे तक इस कोर्तन समायाम में रागी जयध्वं द्वारा सन्ध्या कोर्तन तथा रागीश्याम गायन द्वारा रात्र्यस्तित संगत को भक्ति भाव से निहाल किया जायेगा, उपरांत गुरु का लंघन अष्टविरार होगा। इसी तारावृत्त में संध्या का दीर्घा भी रात्रि 7.15 से 9.30 बजे तक होगा। अतःसन्ध्या, सुभासना, समायित उपवर्तन चक्र नारी का लंघन विरारित होगा। इसी गुरुसंधि सभा राजानंदगोपाल द्वारा राजानंदगोपाल एवं इलाका निवासी समूह विभिन्न संस्थान भार्गवों द्वारा से विभिन्न निवेदन किया गया है कि समर्थक गुरुद्वारा साहित्य पद्धत कर शब्द कोर्तन प्रवर्धन करें, सहयोग कर आयोजन को सफल करें तथा गुरु महाराज को खुशियों के पात्र बनाएं।